पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 (1) इस अंक का मूल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
आर्य कार्यकर्त्ता बैठक
रविवार, 15 जुलाई 2012
प्रात: 11 बजे से 1:30 तक
आर्य समाज, अनारकली,
मंदिर मार्ग, नई दिल्ली
प्रीति भोज: दोपहर 1:30 बजे

डॉ. अनिल आर्य — अध्यक्ष
महेन्द्र भाई — महामंत्री

वर्ष-*29* अंक-*3* आषाढ़-*2069* दयानन्दाब्द *189* *1* जुलाई से *15* जुलाई *2012* (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ *4* वार्षिक शुल्क *48* रु.
E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का आठ दिवसीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर भव्यता पूर्ण सम्पन्न

चरित्रवान युवा ही समाज को बदल सकते हैं - आर्य नेता डॉ. अशोक कुमार चौहान

समारोह अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान दीप प्रज्जवलित करते हुए साथ में डॉ. अनिल आर्य, श्री आनन्द चौहान, महापौर श्रीमती सविता गुप्ता व प्रवीन आर्या। द्वितीय चित्र में महापौर श्रीमती सविता गुप्ता व श्री अश्विनी गुप्ता का शाल व स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन करते हुए डॉ. अशोक कुमार चौहान, श्री आनन्द चौहान व डॉ. अनिल आर्य।

नई दिल्ली। रविवार, 17 जून 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में गत् 10 जून से ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल,सैक्टर-7,पुष्प विहार, साकेत में चल रहे ''आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर'' का भव्य समापन हो गया । शिविर में 175 किशोर व युवकों ने प्रात: 4 बजे से रात्री 10 बजे तक अनुशासित दिनचर्या में रहकर नैतिक शिक्षा, योगासन, दण्ड-बैठक, लाठी, तलवार, जूडो-कराटे, बाक्सिंग, स्तूप, डम्बल, लेजियम, सन्ध्या-यज्ञ, भाषणकला, नेतृत्व कला, देश भक्ति की भावना, भारतीय संस्कृति की महानता पर शिक्षकों व विद्वानों से बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त किये।

समारोह अध्यक्ष ऐमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डा.अशोक कुमार चौहान ने कहा कि चरित्रवान युवा ही देश व समाज को बदल सकते हैं । देश के उत्थान व प्रगति में चरित्र निर्माण शिविरों का अपना विशेष महत्व है, इन युवकों ने ही देश को बदलने में व विश्व के अग्रणी देशों में अपना स्थान बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभानी है । मैंने यहां आकर के बच्चों में देखा कि उनमें देश भक्ति, मानवता के प्रति प्रेम व इस समाज को एक अच्छा समाज बनाने की प्रेरणा काम कर रही है, इसके लिए मैं डा. अनिल आर्य व उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ।

मुख्य अतिथि श्रीमती सविता गुप्ता (महापौर,दक्षिण दिल्ली नगर निगम) ने कहा कि शिविर में प्रशिक्षित युवकों को अब समाज में व्यापत अन्धविश्वास, पाखण्ड व सामाजिक कुरीतियों को मिटा कर एक अच्छे समाज की संरचना का कार्य करना है । उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द समग्र क्रान्ति के अग्रदूत थे उनके स्वपनों के भारत का निर्माण युवा पीढ़ी को ही करना है, संस्कारवान युवा ही देश में आमूल चूल परिवर्तन ला सकते हैं उन्हीं के कन्धों पर देश का भविष्य टिका हुआ है।

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि चरित्रवान युवक ही राष्ट्र की अमूल्य सम्पति हैं, यह युवक समाज में जाकर राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए कार्य करेंगे, उन्होंने युवकों से जातवाद व प्रान्तवाद से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का आह्वान किया। ऐमिटी के निदेशक श्री आनन्द चौहान ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने जो सामाजिक क्रान्ति का स्वपन देखा था वह इन युवकों ने पूरा करना है । समारोह का शुभारम्भ आर्य नेता श्री जितेन्द्र डावर ने ओ३म् ध्वज फहराकर किया व आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली) व प्रवीन आर्या के मधुर भजन हुए । प्रधान शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री के निर्देशन में युवको के भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की ।

इस अवसर पर डा.आर.एम. शर्मा (पूर्व अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार), आर्य नेता सत्यानन्द आर्य, चतरसिंह नागर, नरेन्द्र कालरा, सुरेन्द्र गुप्ता, गायत्री मीना, प्रवीन आर्य, यशोवीर आर्य, रामकुमारसिंह, सुरेश आर्य, सन्तोष शास्त्री, कै. अशोक गुलाटी, धर्मपाल आर्य, यज्ञवीर चौहान, सुदेश भगत, ओमबीर सिंह, प्रकाशवीर शास्त्री, रवि चड्डा, कांतिप्रकाश आर्य, कृष्णचंद आहूजा, हर्ष बवेजा, शिशुपाल आर्य, कर्नल ए.के. शर्मा, प्रेमिला नैय्यर, चन्द्रभान सेतिया, सुरेन्द्र शास्त्री, राकेश भटनागर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शिविर में सर्वप्रथम शिविरार्थी दीपक कुमार (महेन्द्रगढ़), सर्वद्वितीय सन्दीप सैनी (जीन्द), सर्वतृतीय आकाश कुमार (संगम विहार) पुरस्कृत किये गये। भाषण प्रतियोगिता में नीरज जोशी-प्रथम, राघव खन्ना-द्वितीय, अविरल राठी-तृतीय रहे। समारोह में हजारों लोगों ने पधार कर युवा शक्ति का उत्साहवर्धन किया व ऋषि लंगर का आनन्द लेकर उत्साह के साथ घरों को लौटे।

आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन करते हुए शिविरार्थी आर्य युवक व दायें अभिवादन करते हुए आर्य युवक

स्वतन्त्र भारत के नेताओं ने देश को क्या दिया

–कृष्णचन्द्र गर्ग

आर्थिक स्थिति – 1. भ्रष्टाचार, रिश्वत, शासकों द्वारा लूट-खसूट, 2. काला धन – देश में और विदेशी बैंकों में, 3. देश पर कर्ज़ – 1947 में जब देश आजाद हुआ था तब देश पर कोई कर्ज़ न था। अब देश पर इतना कर्ज़ है कि प्रत्येक भारतवासी के हिस्से में 10,000 रुपये का कर्ज आता है, 4. रुपए का अवमूलन – 1947 में एक अमरीकी डालर खरीदने के लिए तीन रुपए देने पड़ते थे, अब 2012 में 55 रुपए देने पड़ते हैं, 5. विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी – 1947 में विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत थी, अब 2012 में केवल आधा प्रतिशत है, 6. विदेशी व्यापार घाटा – 1947 में भारत का विदेशी व्यापार घाटा 2 करोड़ रुपए था। सन 2011 में यह घाटा बढ़कर 68,000 करोड़ रुपए हो गया, 7. नकली नोट – भारत की अर्थ व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए भारतीय करंसी के नकली नोट बड़ी संख्या में पाकिस्तान से भारत आ रहे हैं, 8. आर्थिक विषमता – देश में एक तिहायी लोग 20 रुपए प्रतिदिन से भी कम में गुजारा कर रहे हैं जबकि देश के राष्ट्रपति पर प्रतिदिन 8 लाख रुपए खर्च होते हैं और प्रधानमन्त्री पर प्रतिदिन 7 लाख रुपये खर्च होते हैं।

गलत नीतियां और गलत व्यवस्थाएं – 9. भ्रष्टतन्त्र – आजादी के बाद देश को जो राजनैतिक और आर्थिक व्यवस्थाएं दी गई हैं वे ही देश में फैले भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार हैं। वे भ्रष्टाचार को जन्म देती हैं और पालती हैं, 10. झूठी पंथनिर्पेक्षता, झूठा सर्वधर्म समभाव, मजहब पर आधारित कानून – देश के लिए घातक हैं, 11. अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक नाम से देश का विभाजन तथा हिन्दुओं के साथ अन्यायपूर्ण भेदभाव, 12. आरक्षण के नाम से अयोग्यता को बढ़ावा दिया गया है और योग्यता को निरुत्साहित किया गया है। इससे देश कमजोर हुआ है। देश में अन्याय, असन्तोष और द्वेष पैदा हुए हैं, 13. 'अनेकता में एकता' के नारे से देश में विभाजन को बढ़ावा मिला है, 14. सम्मिलित जिम्मेदारी (collective responsibility) की व्यवस्था के कारण सरकार में उत्तरदायित्व का अभाव पैदा हुआ है, 15. नौकरी की सुरक्षा (security of service) के कारण सरकारी तन्त्र में अकुशलता, अयोग्यता और निष्कर्मण्यता बढ़ी है, 16. न्याय व्यवस्था – अन्याय व्यवस्था बनी हुई है। यह बेहद लम्बी, बेहद पेचीदा, बेहद मंहगी तथा भ्रष्ट है, 17. बड़ा तथा मंहगा सरकारी तन्त्र – सांसद, विधायक, मन्त्री, अफसर आदि संख्या में बहुत अधिक हैं तथा उन्हें दिए जाने वाले आर्थिक लाभ बहुत अधिक तथा विषमता कारक हैं, 18. अपराधी शासक – बहुत सारे सांसदों, विधायकों, मन्त्रियों पर गम्भीर अपराधों के आरोप लगे हैं, 19. अनावश्यक सुरक्षा (Police Security). सांसदो, विधायकों, मन्त्रियों, अफसरों आदि को अनावश्यक रूप से बहुत अधिक पुलिस की सुरक्षा दी गई है,

विदेश नीति तथा मुस्लिम तुष्टिकरण – 20. कश्मीर समस्या – सारा कश्मीर वैधानिक रूप से भारत का अंग है। पाकिस्तान उसका 40 प्रतिशत भाग जबरदस्ती दबाए बैठा है और शेष को हथियाने के लिए विभिन्न हथकण्डे अपना रहा है। कश्मीर का जो भाग पकिस्तान के पास है उसे वापिस लेने के लिए भारत सरकार कुछ नहीं कर रही। उलटा जो भाग भारत के पास है उस पर पाकिस्तान से वार्ता पे वार्ता करती आ रही है, 21. चीन – चीन पूर्वोत्तर में भारत का बहुत सा भूभाग दबाए बैठा है और अरुणाचल प्रान्त को छीनने के प्रयास कर रहा है। भारत चीन के आगे भीगी बिल्ली की तरह पेश आ रहा है, 22. तिब्बत – 1951 तक तिब्बत भारत और चीन के बीच एक स्वतन्त्र राष्ट्र था। 1951 में चीन ने आक्रमण करके तिब्बत पर कब्जा कर लिया। भारत ने कायरता दिखाते हुए तिब्बत को चीन का अंग मान लिया। तिब्बत पर चीनियों के अत्याचारों से तंग आकर बहुत से तिब्बती भाग कर भारत आ गए। अब वे भारत में शरणार्थी बने रह रहे हैं। वह लोग तिब्बत की स्वायत्ता के लिए संघर्ष कर रहे हैं, पर भारत इस विषय पर चुप है, 23. कश्मीरी पण्डित – मुसलमानों ने अत्याचार करके कश्मीर के अढ़ाई लाख हिन्दुओं को वहां से भगा दिया है जो अब भारत के दूसरे भागों में शरणार्थी बने रह रहे हैं। प्रान्तीय सरकार तथा केन्द्रीय सरकार उन्हें सुरक्षा देने में असफल रही हैं, 24. मुस्लिम आतंकवाद, नक्सलवाद, माओवाद – भारत सरकार में आतंकवाद को समाप्त करने के लिए आवश्यक इच्छा शक्ति और नैतिक शक्ति का अभाव है। कश्मीर का जो भाग पाकिस्तान ने कब्जा रखा है वहां पर मुस्लिम आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैम्प चल रहे हैं। भारत सरकार इस सम्बन्ध में कुछ भी नहीं कर पा रही है, 25. जनसंख्या वृद्धि) – एक तो देश में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही हैं। दूसरे समाज में सन्तुलन बिगड़ रहा है क्योंकि मुसलमान परिवार नियोजन को इस्लाम के खिलाफ मानते हैं। मजहब के आधार पर मुसलमानों के लिए पाकिस्तान और बंगलादेश भारत से कट कर अलग देश बने थे। अब फिर भारत उसी दिशा में बढ़ रहा है। भारत में मुसलमानों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जबकि पाकिस्तान और बंगलादेश में हिन्दुओं की संख्या बहुत तेजी से घट रही है, 26. मदरसे – मदरसों में मुस्लिम बच्चों को कुरान, हदीस, अरबी भाषा, अरबी साहित्य और इस्लाम का ज्ञान दिया जाता हैं। कहीं कहीं थोड़ा गणित, विज्ञान, अंग्रेजी भाषा आदि भी पढ़ाई जाती है। इस्लाम की जानकारी मात्र कट्टरवाद की शिक्षा है क्योंकि इस्लाम की दृष्टि में एक इस्लाम को छोड़कर पृथ्वी पर और किसी मजहब को जीने का हक नहीं है। इस प्रकार मदरसे कट्टरवाद और आतंकवाद की फैक्ट्रियां हैं जो भारत में हजारों की संख्या में हैं, 27. पाकिस्तान और बंगलादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार – वहां पर हिन्दू निरन्तर आतंक के साये में दूसरे दर्जे के नागरिक बन कर रह रहे हैं। हिन्दू लड़कियों का अपहरण करके उन्हें जबरन मुसलमान बनाकर मुस्लिम लड़कों से उनकी शादी करा दी जाती है। पाकिस्तान में सरकार द्वारा मंजूर शुदा स्कूली पुस्तकों के द्वारा बच्चों को पढ़ाया जाता है कि हिन्दू घटिया कौम है। वहां पर कानून भी हिन्दू विरोधी हैं।

सामान्य समस्याएं – 28. राष्ट्रभाषा – देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए सारे देश की एक भाषा होना परम आवश्यक है। बेशक हमारे संविधान में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है परन्तु स्वतन्त्र भारत की सरकारें इसे सारे देश में लागू करने में असफल रही हैं, 29. देश में प्रान्तवाद, भाषावाद, अलगाववाद पैदा हुए हैं और बढ़े हैं, 30. मिलावट – दूध, घी, खोआ, मसाले आदि खान-पान की वस्तुओं में हानिकारक पदार्थों की मिलावट बेहद बढ़ गई है और फलों, सब्जियों में जहरीले इंजैक्शन लगाए जा रहे हैं, 31. अनाज की बरबादी – एक तरफ अनाज की बहुत अधिक बरबादी हो रही है और दूसरी तरफ करोड़ों लोग देश में भूखे पेट सो रहे हैं, 32. गंगा, यमुना नदियों में प्रदूषण बेहद बढ़ा है। सरकार ने अरबों रुपया इन नदियों को साफ करने के लिए खर्च किया है जो बरबाद ही हुआ है क्योंकि समस्या ज्यों की त्यों खड़ी है, 33. शराब – देश में शराब का प्रयोग बहुत अधिक बढ़ा है। आजादी से पहले गान्धी जी और दूसरे नेता कहा करते थे कि आजादी मिलते ही शराब का बनना, बेचना और प्रयोग बन्द कर दिया जाएगा। आजादी के बाद गान्धी जी ने कहना शुरु कर दिया कि शराब बेचने से जो आमदनी हो वह लोगों को शराब न पीने की बात समझाने में खर्च की जानी चाहिए, 34. बूचड़खाने, गोहत्या – सन 1947 से लेकर अब तक देश में बूचड़खाने सौ गुणा बढ़ गए हैं। आजादी से पहले गान्धी जी कहा करते थे कि 'जहां गोहत्या होती है मुझे लगता है कि मेरी हत्या हो रही है', आजादी मिलते ही गोहत्या बन्द कर दी जाएगी। आजादी के बाद गान्धी जी बदल गए और कहने लगे कि इस देश में मुसलमान भी रहते हैं इसलिए गोहत्या बन्द करने के लिए कानून नहीं बनाया जा सकता। 831 सैक्टर 10, पंचकूला, हरियाणा, 0172-2572197

दिल्ली चलो — दिल्ली चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली (पंजीकृत) के

34वें वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन

रविवार 2 सितम्बर 2012 समय: प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक

स्थानः आर्य समाज, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060

(निकट मैट्रो स्टेशन राजेन्द्र पैलेस)

देश के प्रबुद्ध संन्यासियों, विद्वानों, आर्य नेताओं के ओजस्वी उद्बोधन

सभी आर्य युवक, आर्यजन भारी संख्या में पहुंचे।

दिल्ली से बाहर के आने वाले आर्य बंधु आवास व्यवस्था हेतु शीघ्र सूचित करें।

दर्शनाभिलाषीः

डॉ. अनिल आर्य	**महेन्द्र भाई**	**धर्मपाल आर्य**
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9711523412

श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का

युवा संस्कार अभियान व वैदिक धर्म दीक्षा समारोह

दिनांक 11 अगस्त से 19 अगस्त 2012 तक

आयु 12 वर्ष से 25 वर्ष तक के युवको का यज्ञोपवीत संस्कार

अपने क्षेत्र में यज्ञ, भजन, प्रवचन करवाने हेतु सम्पर्क करें।

गवेन्द्र शास्त्री	**रामकुमार सिंह**	**सन्तोष शास्त्री**	**शिशुपाल आर्य**
प्रभारी	प्रांतीय संचालक	प्रांतीय महामंत्री	उपसंचालक
9810884124	9868064422	9868754140	9971550031

सोनीपत में आर्य बालिका शिविर का भव्य समापन

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य का शाल व स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन करते प्रान्तीय अध्यक्ष श्री मनोहर लाल चावला, संयोजक श्री हरिचन्द स्नेही, श्री वीर सिंह सैनी व श्री हरबंसलाल अरोड़ा। द्वितीय चित्र में उपस्थित जनसमूह व तृतीय चित्र में व्यायामाचार्य श्री सूर्यदेव आर्य के साथ शिक्षणगण।

फरीदाबाद में युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में दिनांक 17 जून से 24 जून 2012 तक ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल, ग्राम-सुनपेड़, वल्लभगढ़, में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 100 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उपरोक्त चित्र में राष्ट्रीय महामन्त्री महेन्द्र भाई का स्वागत करते श्री वीरेन्द्र योगाचार्य व जिला अध्यक्ष श्री जितेन्द्र सिंह आर्य। द्वितीय चित्र में शिविर का उद्घाटन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य साथ में शिविर अध्यक्ष पं. प्रेम पाल शास्त्री, नन्द लाल कालरा, धर्मपाल आर्य, सत्य भूषण आर्य व वीरेन्द्र योगाचार्य आर्य। तृतीय चित्र में आर्य युवक अनुशासित मुद्रा में खड़े हुए।

करनाल युवक चरित्र निर्माण शिविर सौल्लास सम्पन्न

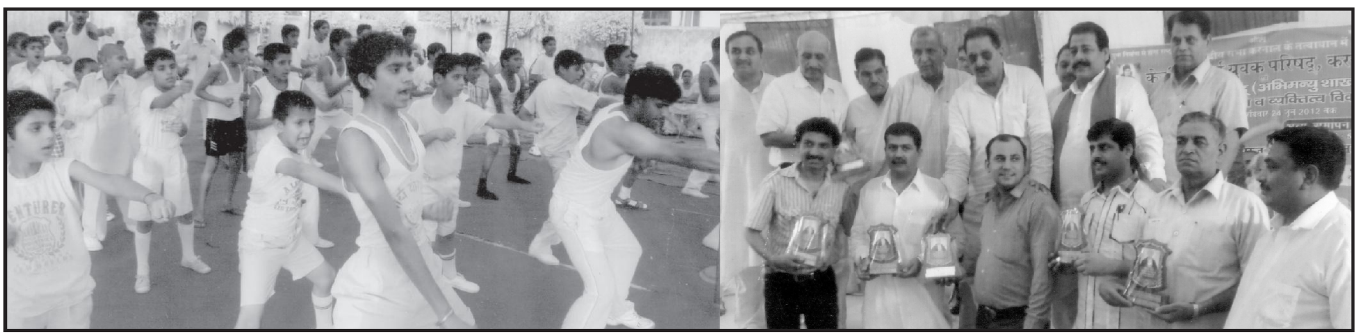

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् करनाल के तत्वाधान में 20 जून से 24 जून 2012 तक आर्य समाज, प्रेम नगर, करनाल में युवक चरित्र निर्माण शिविर सौल्लास सम्पन्न हुआ। शिविर में 50 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिक्षक कपिल आर्य व हिमांशु ने शिक्षण प्रदान किया। उपरोक्त चित्र में स्मृतिचिन्ह लिये रचनीश चौपड़ा, स्वतन्त्र कुकरेजा, रोशन आर्य, हरेन्द्र चौधरी, अर्जुन देव व अजय आर्य। खड़े हुए अतिथिगण रामकुमार सिंह, कृष्णलाल तनेजा, शमशेर सिंह आर्य, मनोहर लाल चावला, डॉ. अनिल आर्य आदि।
चौ. लाजपतराय आर्य, स्वामी सच्चिदानन्द जी, हरिचन्द स्नेही, संतोष शास्त्री, दिनेश आर्य, स्वतन्त्रता सेनानी महाशय रामशरण आर्य आदि भी उपस्थित थे।

यह हो रहा है सेक्यूलरवाद के नाम पर!

1. छात्रवृत्ति में हिन्दू विद्यार्थियों के साथ भेदभाव-संप्रग सरकार ने गैर-हिन्दू अर्थात् अल्पसंख्यक वर्ग के स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए 25 लाख छात्रवृत्तियों की घोषणा की है। किन्तु हिन्दु बच्चों को इस सुविधा से वंचित रखा गया है। इस प्रकार अति गरीब हिन्दुओं के बच्चे शुल्क न दे सकने के कारण स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते, क्योंकि हिन्दू होने के कारण उपरोक्त छात्रवृत्तियों का लाभ उन्हें नहीं दिया जाता।

2. अल्पसंख्यक विद्यार्थियों का शुल्क हिन्दू करदाताओं के कर से- भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई.आई.एम.) और भारतीय प्रौघोगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) जैसे देश के 50 उच्च अध्ययन केन्द्रों में हिन्दू विद्यार्थियों को पूरा शुल्क भरना पड़ता है, परन्तु अल्पसंख्यक वर्ग (ईसाई, मुसलमान आदि) के विद्यार्थियों का पूरा शुल्क केन्द्र सरकार देती है।

3. मुस्लिम व ईसाई विद्यार्थियों को मुफ्त 'कोचिंग'- यदि कोई अल्पसंख्यक विद्यार्थी आई.आई.एम. जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए किसी 'कोचिंग सेंटर' में जाता है तो उसका पूरा खर्च सरकार उठाती है, जबकि हिन्दू विद्यार्थी इस सुविधा से वंचित रह जाता है। पुष्टि के लिए www.minorityaffairs.gov.in देख सकते हैं।

4. हिन्दू विद्यार्थी अध्ययन ऋण पर ज्यादा ब्याज चुकाते हैं- हिन्दु विद्यार्थी अपने अध्ययन ऋण पर 12 प्रतिशत से 24 प्रतिशत ब्याज चुकाते हैं, जबकि अल्संख्यक वर्ग के विद्यार्थी को मात्र 3 प्रतिशत ब्याज दर पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास वित्त निगम, जो कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन है, के द्वारा धन उपलब्ध कराया जाता है। पुष्टि के लिए www.nmdfe.org देख सकते हैं।

5. हिन्दु युवा उद्यमी भेदभाव के शिकार- हिन्दु उद्यमियों को नया व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंकों से 15 से 18 प्रतिशत से अधिक ब्याज दर पर ऋण प्राप्त होता है, किन्तु गैर हिन्दुओं (अल्पसंख्यक) को ऋण राशि का 35 प्रतिशत तो 3 प्रतिशत की ब्याज दर से और शेष राशि पर भी हिन्दुओं से 2 प्रतिशत कम पर ऋण प्राप्त होता है।

- डॉ. कैलाश चन्द्र, डी-107, आनंद निकेतन, नई दिल्ली-21

भूटान से 1,30,000 हिन्दुओं का निष्कासन

यह आम धारणा है कि हिन्दुओं की दशा केवल इस्लामी देशों में ही दयनिये है। बहुत कम लोगों को यह जानकारी है कि भारत से सटे भूटान देश में भी हिन्दुओ के साथ बहुत ही भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जाता है। सन् 1989-90 के दौरान भूटान देश ने 1,30,000 नैपाली हिन्दुओं को अपने देश से जबरदस्ती निकाल दिया था। सन् 1947 के बाद यह हिन्दुओं का सबसे बड़ा निष्कासन था। इन सभी हिन्दुओं को संयुक्त राष्ट्र (U.N.O.) ने रिफ्यूजी का दरजा दिया है। (HRDI) विदेश में रहने वाले हिन्दुओं के मानव अधिकार की सुरक्षा करने वाला प्रमुख संगठन है। (HRDI) मलेशिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान तथा अरब देशो में हिन्दुओ की स्थिति को लेकर जागरूकता हेतु कार्यक्रम करता रहा है। (HRDI) 14 जुलाई 2012 को (INDIAN LAW INSTITUTE, NEW DELHI) में एक गौष्ठी का आयोजन कर रहा है। इस गौष्ठी में देश विदेश से विद्वान लोग भाग लेंगे। श्री अनिल आर्य भी इस गौष्ठी के प्रमुख वाक्ता रहेगे। श्री राजेश गोगना, एडवोकेट जो आर्य समाज के निष्ठावान कार्यकर्त्ता है। (HRDI) के महामंत्री के तौर पर कार्य देखते है।

दिल्ली युवक चरित्र निर्माण शिविर की सचित्र झलकियां

ध्वजारोहण करते श्री जितेन्द्र डावर व साथ में श्री चतरसिंह नागर, महेन्द्र भाई व श्री योगेन्द्र शास्त्री। दायें चित्र में लेजियम का प्रदर्शन कर कमल का फूल बनाते आर्य युवक।

हमारा गौरव : परिषद् के कर्मठ शिक्षकगण

श्री मनोज शास्त्री व श्री सौरभ गुप्ता राष्ट्रीय प्रार्थना करते हुए साथ में प्रदीप आर्य, संजय शास्त्री, विजेन्द्र शास्त्री, कपिल आर्य, आशीष आर्य, दुर्गाप्रसाद, रामरतन, हिमांशु व विकास आर्य

श्री दुर्गा प्रसाद कालरा व श्री ओम प्रकाश भावल ने मनाई 50 वीं वैवाहिक वर्षगांठ

श्रीमती एवं श्री दुर्गा प्रसाद कालरा को शाल व स्मृति चिन्ह से सम्मानित करते डॉ. अनिल आर्य, श्री कांति प्रकाश आर्य, श्री रामकुमार सिंह व द्वितीय चित्र में श्रीमती पुष्पा व श्री ओम प्रकाश भावल को सम्मानित करते डॉ. अनिल आर्य, कांति प्रकाश आर्य, सोहन लाल मुखी, अन्जु जावा व आशा गुप्ता। अनेकों शुभकामनाएं।

श्री सी.एल. मोहन प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज मयूर विहार फेस-2, दिल्ली के चुनाव श्री सी.एल. मोहन-प्रधान, श्रीमती रमा मोगिया-उपप्रधान, श्री हरवंश लाल शर्मा-मंत्री, श्रीमती संतोष भारती व श्री अरूण विनायक- उपमंत्री, श्री लक्ष्मीचन्द गुप्ता-कोषाध्यक्ष, श्रीमती जयदेवी छाबड़ा-पुस्तकालयाध्यक्ष चुने गए। तदर्थ बधाई।

परिषद् की अन्तरंग सभा की वार्षिक बैठक

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की अन्तरंग सभा की वार्षिक बैठक रविवार 26 अगस्त 2012 को दोपहर 3:00 बजे मुख्यालय आर्य समाज कबीर बस्ती दिल्ली-110007 में आय-व्यय, बजट, रिपोर्ट स्वीकृत करने हेतु होगी।

सभी सभासद समय पर पहुंचे। **-महेन्द्र भाई, महामन्त्री**

यमुना नगर चलो

वैदिक ज्ञान आश्रम, अशोक नगर रेलवे वर्कशॉप रोड, यमुनानगर, हरियाणा में दिनांक 26 अक्टूबर 2012 से 28 अक्टूबर 2012 तक रजत जयन्ती समारोह धूम-धाम से मनाया जा रहा है। सभी आर्य बंधु हजारों की संख्या में पहुंचे। **-स्वामी सच्चिदानन्द, मो. 09416395561**

परिषद् के आर्य यूथ ग्रुप के सदस्य बने

परिषद् के इन्टरनेट पर ग्रुप:- aryayouthgroup@yahoogroups.com के सदस्य बनें तथा घर बैठे युवा उद्घोष पत्रिका व सभी सूचनाएं निःशुल्क प्राप्त करें।

-देवेन्द्र भगत, संयोजक, मो. 9312406810

दयानन्द ब्रह्म महाविद्यालय हिसार में प्रवेश प्रारम्भ

दयानन्द ब्रह्म महाविद्यालय में दिनांक 1 जुलाई से 20 जुलाई तक प्रवेश होगा। श्रेणी:- विद्यावाचस्पति (त्रिवर्षीय), 2. वेदवाचस्पति (द्विवर्षीय), 3. पूर्वमध्यमा, उत्तरमध्यमा एवं शास्त्री की परीक्षाओं हेतु सम्पर्क करें।

– डॉ. प्रमोद योगार्थी, प्राचार्य, दूरभाष- 09416544775,

चिकित्सा सूचना

पथरी- पित्त की थैली की पथरी 15 दिन में देशी दवा से बाहर।
पथरी- गुर्दे की पथरी 15 या 20 दिन में बाहर-18 एम.एम. तक।
पथरी- पेशाब की नाली की भी पथरी निकलवायें।
घाव- शूगर के कारण व अन्य कारणों से असाध्य जख्म ठीक कराये व हाथ पांव कटने से बचाए।

सम्पर्क करें- विद्यासागर शास्त्री (जीन्द), मो. 09416178348

शोक समाचार

1. वैदिक तपोवन आश्रम देहरादून के कर्मठ सहयोगी महात्मा दया मुनि जी (श्री दयानन्द वधवा) का गत 15 जून 2012 को निधन हो गया।
2. आर्य नेता श्री माया प्रकाश त्यागी की बड़ी बहन का गत दिनों निधन हो गया।
3. श्रीमती सत्येन्द्र आयु. 39 वर्ष (सुपुत्री चौ. हरि सिंह सैनी, हिसार) का गत दिनों निधन हो गया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970